



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1521]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 22, 2006/पौष 1, 1928

No. 1521]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 22, 2006/PAUSA 1, 1928

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 2006

आयकर

का.आ. 2146(अ).—केन्द्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 54डग के स्पष्टीकरण के खंड (ख) के उप-खंड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, रूरल इलैक्ट्रीफिकेशन कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा, जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन बनाई गई और रजिस्ट्रीकृत कम्पनी है, 26 दिसंबर, 2006 से 31 मार्च, 2007 तक की अवधि के दौरान (जिसमें दोनों दिन सम्मिलित हैं), उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए 'दीर्घकालिक विनिर्दिष्ट आस्ति' के रूप में जारी किए जाने वाले तीन हजार पाँच सौ करोड़ रुपये की रकम के बंधपत्र (तीन वर्ष के पश्चात् मोचनीय), निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए जारी करती है, अर्थात् :-

- (i) ऐसे व्यक्ति को, जिसने केन्द्रीय सरकार द्वारा, राजपत्र में अधिसूचना संख्यांक का.आ. 963(अ), तारीख 29 जून, 2006 या अधिसूचना संख्यांक का.आ. 964(अ), तारीख 29 जून, 2006 द्वारा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 54डग के प्रयोजनों के लिए 'दीर्घकालिक विनिर्दिष्ट आस्ति' के रूप में अधिसूचित बंधपत्रों में कुल मिलाकर पचास लाख रुपये से अधिक रकम का विनिधान किया है, इस अधिसूचना के अधीन 'दीर्घकालिक विनिर्दिष्ट आस्ति' के रूप में अधिसूचित कोई बंधपत्र आर्बिटित नहीं किए जाएंगे;
- (ii) ऐसे व्यक्ति को जो खंड (i) के अंतर्गत नहीं आता है, ऐसी किसी रकम के लिए, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा,

राजपत्र में अधिसूचना संख्यांक का.आ. 963(अ), तारीख 29 जून, 2006 या अधिसूचना संख्यांक का.आ. 964(अ), तारीख 29 जून, 2006 द्वारा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 54डग के प्रयोजनों के लिए 'दीर्घकालिक विनिर्दिष्ट आस्ति' के रूप में अधिसूचित बंधपत्रों में उसके द्वारा किए गए कुल विनिधान, यदि कोई हो, को पचास लाख रुपये की रकम से घटाकर आई रकम से अधिक होती है, इस अधिसूचना द्वारा 'दीर्घकालिक विनिर्दिष्ट आस्ति' के रूप में अधिसूचित बंधपत्र आर्बिटित नहीं किए जाएंगे।

[अधिसूचना सं. 380/2006/फा.सं. 142/09/2006-टीपीएल]

शरत चंद्र, निदेशक

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd December, 2006

(Income-tax)

S.O. 2146(E).—In exercise of the powers conferred by sub-clause (ii) of clause (b) of the Explanation to Section 54EC of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the bonds for an amount of Rupees three thousand five hundred crores (redeemable after three years) to be issued by the Rural Electrification Corporation Limited, a company formed and registered under the Companies Act, 1956 (1 of 1956), during the period from 26th day of December, 2006 to 31st day of March, 2007 (both days inclusive), as 'long-term specified asset' for the purposes of the said section subject to the following conditions, namely :—

- (i) a person who has made an investment of an amount aggregating more than fifty lakhs rupees

in the bonds notified as 'long-term specified asset' by the Central Government for the purposes of Section 54EC of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in the Official Gazette *vide* notification number S.O. 963(E), dated the 29th June, 2006 or notification number S.O. 964(E), dated the 29th June, 2006, shall not be allotted any bonds notified as 'long-term specified asset' by this notification ;

- (ii) a person who is not covered by clause (i) shall not be allotted the bonds notified as 'long-term

specified asset' by this notification, for any amount which exceeds the amount of fifty lakhs rupees as reduced by the aggregate of the investment, if any made by him in the bonds notified as 'long-term specified asset' by the Central Government for the purposes of Section 54EC of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in the Official Gazette *vide* notification number S.O. 963(E), dated the 29th June, 2006 or notification number S.O. 964(E), dated the 29th June, 2006.

[Notification No. 380/2006/F. No. 142/09/2006-TPL]

SHARAT CHANDRA, Director